Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Valedictory Session of 7-Day National Virtual Workshop

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-10-2021**

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए नैतिकता महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व यशवंतराव चह्वान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से 13 अक्तूबर से शुरू हुई सात दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का वीरवार को समापन हुआ। समापन सत्र को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन यशवंतराव चह्वान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने दिया।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना तकनीकी के समय में नैतिक आचरण व मूल्यों को बनाए रखने के लिए इस तरह के आयोजन बेहद उपयोगी हैं। शोध के क्षेत्र में कार्यरत शोधार्थियों को आरंभ से ही ज्ञात होना चाहिए कि उचित और अनुचित कार्यप्रणाली क्या है और ऐसे आयोजन इस दिशा में बेहद मददगार साबित होते हैं। कुलपति ने इस आयोजन में यशवंतराव चह्वान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन व उनकी टीम का भी आभार व्यक्त किया। यशवंतराव चह्वान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ यह आयोजन बेहद सफल रहा। अवश्य ही इसमें शामिल प्रतिभागियों को भविष्य में यहां अर्जित ज्ञान का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का आभार व्यक्त किया। अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह कार्यशाला शोधार्थियों के शोधकार्य की गुणवत्ता को बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी साबित होगी। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष एच. ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

समापन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

हकेविवि में सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 22-10-2021**

हकेंवि में सात दिवसीय कार्यशाला का समापन, वीसी बोले-

'गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए नैतिकता अहम'

महेंद्रगढ़ | शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्त्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से शुरू हुई सात दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का गुरुवार को समापन हुआ। समापन सत्र को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने दिया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना तकनीकी के समय में नैतिक आचरण व मूल्यों को बनाए रखने के लिए इस तरह के आयोजन बेहद उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि शोध के क्षेत्र में कार्यरत शोधार्थियों को आरंभ से ही ज्ञात होना चाहिए कि उचित व अनुचित कार्यप्रणाली क्या है और ऐसे आयोजन इस दिशा में बेहद मददगार साबित होते हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण, समाजोपयोगी शोध के लिए नैतिकता महत्वपूर्ण है। कुलपति ने इस आयोजन में प्रो. ई. वायुनंदन व उनकी टीम का भी आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी आपसी साझेदारी को जारी रखने का भरोसा दिलाया। वहीं प्रो. ई. वायुनंदन ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ यह आयोजन बेहद सफल रहा। अवश्य ही इसमें शामिल प्रतिभागियों को भविष्य में यहां अर्जित ज्ञान का लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्रम के आरम्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलसचिव व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह कार्यशाला शोधकार्य की गुणवत्ता को बढ़ाने में बहुत उपयोगी साबित होगी।

समापन सत्र के अंत में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.संतोष एच. ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। शिक्षा पीठ के सह आचार्य डॉ. प्रमोद कुमार, सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. आरती यादव एवं यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के डॉ. मधुकर शेवाले, डॉ. संजीवनी महाले, डॉ. विजया पाटिल, विजय कुमार पैकराव, डॉ. प्रकाश बारवे, डॉ. डीडी पंवार, डॉ. एसएस सोनुने, डॉ. शर्मिष्ठा ओक सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षकों, शोद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 22-10-2021**

महेंद्रगढ़। कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते कुलपति। फोटो: हरिभूमि

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए नैतिकता महत्त्वपूर्ण: वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्त्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व यशवंत राव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ नासिक के साझा प्रयासों से 13 अक्टूबर से शुरू हुई सात दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला को समापन हुआ। कार्यशाला के समापन सत्र को हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यतिथि के रूप में संबोधित किया। मौके पर अध्यक्षीय भाषण यशवंत राव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने दिया। उन्होंने आयोजन में विद्यापीठ के वीसी प्रो. वायुनंदन व उनकी टीम का भी आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी आपसी साझेदारी को जारी रखने का भरोसा दिलाया। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विद्यापीठ के शिक्षा पीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने सात दिवसीय इस कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि कार्यशाला शोधार्थियों के शोधकार्य की गुणवत्ता को बढ़ाने में बहुत महत्त्वपूर्ण एवं उपयोगी साबित होगी।

इनका सहयोग: कार्यशाला के आयोजन में शिक्षा पीठ के सह आचार्य डा. प्रमोद कुमार, सहायक आचार्य डा. रेनु यादव, डा. दिनेश चहल, डा. आरती यादव एवं यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के डा. मधुकर शेवाले, डा. संजीवनी महाले, डा. विजया पाटिल, विजय कुमार पैकराव, डा. प्रकाश बारवे, डा. डीडी पवार, डा. एसएस सोनुने, डा. श्रमिष्ठा ओक सहित विवि के विभिन्न शिक्षकों, शोद्यार्थियों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-10-2021**

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए नैतिकता महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 21 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ व यशवंत राव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के सांझा प्रयासों से 13 अक्तूबर, 2021 से शुरू हुई 7 दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला वीरवार 21 अक्तूबर को समापन हुआ। कार्यशाला के समापन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने दिया।

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना तकनीकी के समय में नैतिक आचरण व मूल्यों को बनाए रखने के लिए इस तरह के आयोजन बेहद उपयोगी हैं। शोध के क्षेत्र में कार्यरत शोधार्थियों को आरंभ से ही ज्ञात होना चाहिए कि उचित व अनुचित कार्यप्रणाली क्या है और ऐसे आयोजन इस दिशा में बेहद मददगार साबित होते हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण, समाजोपयोगी शोध के लिए नैतिकता महत्वपूर्ण है।

वर्चुअल कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने इस आयोजन में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन व उनकी टीम का भी आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी आपसी सांझेदारी को जारी रखने का भरोसा दिलाया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ यह आयोजन बेहद सफल रहा। अवश्य ही इसमें शामिल प्रतिभागियों को भविष्य में यहां अर्जित ज्ञान का लाभ प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के आरम्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलसचिव व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के शिक्षा पीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने 7 दिवसीय इस कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह कार्यशाला शोधार्थियों के शोधकार्य की गुणवत्ता को बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी साबित होगी।

इस कार्यशाला के आयोजन में शिक्षा पीठ के सह आचार्य डॉ. प्रमोद कुमार, सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. आरती यादव एवं यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के डॉ. मधुकर शेवाले, डॉ. संजीवनी महाले, डॉ. विजया पाटिल, विजय कुमार पैकराव, डॉ. प्रकाश बारवे, डॉ. डी.डी. पंवार, डॉ. एस.एस. सोनुने, डॉ. श्रमिष्ठा ओक सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षकों, शोधार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-10-2021**

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए नैतिकता महत्वपूर्ण

सूचना क्रांति के दौर में नैतिक आचरण और मूल्यों को बनाए रखने को ऐसे आयोजन उपयोगी : वीसी

- हरियाणा केंद्रीय विवि में सात दिवसीय कार्यशाला संपन्न
- भविष्य में भी मिलकर काम करने की बढ़ाई उम्मीद

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ और यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से 13 अक्टूबर, 2021 से शुरू हुई सात दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। समापन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने दिया।

इस अवसर पर हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना तकनीकी के समय में नैतिक आचरण और मूल्यों को बनाए रखने के लिए इस तरह के आयोजन बेहद उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को आरंभ से ही ज्ञात होना चाहिए कि उचित और अनुचित कार्यप्रणाली क्या है और ऐसे आयोजन इस दिशा में बेहद मददगार साबित होते हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण एवं समाजोपयोगी शोध के लिए नैतिकता महत्वपूर्ण है। कुलपति ने इस आयोजन में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन व उनकी टीम का भी आभार जताया और भविष्य में भी आपसी साझेदारी को जारी रखने का भरोसा दिलाया।

हकेंवि में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार (ऊपर सबसे बाएं) व अन्य वक्ता • सौ. हिवि

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ यह आयोजन बेहद सफल रहा। अवश्य ही इसमें शामिल प्रतिभागियों को भविष्य में यहां अर्जित ज्ञान का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का आभार जताते हुए कहा कि हम भविष्य में भी शिक्षा, शोध व संसाधनों के स्तर पर मिलकर काम करते रहेंगे।

कार्यक्रम के आरंभ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलसचिव व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके बाद यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के शिक्षा पीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने सात दिवसीय इस कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह कार्यशाला शोधार्थियों के शोधकार्य की गुणवत्ता को बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला के समापन सत्र के अंत में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष एच. ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला के आयोजन में शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डा. प्रमोद कुमार, सहायक आचार्य डा. रेनु यादव, डा. दिनेश चहल, डा. आरती यादव एवं यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के डा. मधुकर शेवाले, डा. संजीवनी महाले, डा. विजया पाटिल, विजय कुमार पैकराव, डा. प्रकाश बारवे, डा. डीडी पंवार, डा. एसएस सोनुने, डा. श्रमिष्ठा ओक सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षकों, शोधार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।